SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS, 2020-21

MR. CHAIRMAN: The Secretariat may revisit all this procedure and make it very simple. टाइम इसी में जा रहा है। इलेक्शन बाद में है।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE; AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS (SHRI ANURAG SINGH THAKUR): Sir, I lay on the Table, a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants, 2020-21.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need to Declare Deur Kothar, Rewa, Madhya Pradesh as National Archaeological tourist place

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मेरा विषय पुरातात्विक देउर कोठार को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किए जाने के बाबत है। देउर कोठार रीवा में प्रसिद्ध बौद्धकालीन स्तूप है। यह विंध्य क्षेत्र का महत्वपूर्ण बौद्ध स्तूप है। यहां छोटे बड़े स्तूपों की संख्या 49 है। यहां पर 5 हजार वर्ष पूर्व के शैल चित्र एवं गुफाएं हैं। लगभग 2 हजार वर्ष पूर्व सम्राट अशोक द्वारा स्तूप बनवाए गए थे।

यहां बौद्ध भिक्षु आध्यात्मिक स्थल बनाकर शिक्षा-दीक्षा एवं साधना करते थे। वहां पर ब्राह्मी लेख, अभिलेख, शिलापट्ट, स्तम्भ और तोरणद्वार के अवशेष आज भी मौजूद हैं। यहां की शैल गुफाएं आज भी आकर्षण का केन्द्र हैं। यह सुरम्य घाटियों के बीच में है। इसे 1988 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित किया गया था। यहां हर वर्ष बौद्ध महोत्सव का मेला भी लगता है।

माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि देउर कोठार, रीवा को राष्ट्रीय पुरातात्विक पर्यटक स्थल के रूप में घोषित किया जाए तथा स्थल के विकास हेतु राशि स्वीकृत करने की कृपा करें।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।